ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 23 मई 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 56

कोटा में ही बच्चे सुसाइड क्यों कर रहे हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कोटा शहर में छात्रों की आत्महत्याओं में वृद्धि के संबंध में राजस्थान सरकार से कई सवाल पूछे. अदालत ने सवाल किया कि, कोटा में ही बच्चे आत्महत्या क्यों कर रहे हैं और राज्य सरकार इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए क्या कर रही है.

यह मामला जस्टिस जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ के सामने लाया गया. बेंच ने राजस्थान सरकार के वकील से पूछा कि, आप एक राज्य के तौर पर क्या कर रहे हैं? ये बच्चे आत्महत्या क्यों कर रहे हैं और केवल कोटा में ही क्यों सुसाइड कर रहे हैं? क्या आपने एक राज्य के रूप में इसके बारे में नहीं सोचा?"

वकील ने दलील दी कि आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए राज्य में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था और कोटा मामले में जांच जारी है. बेंच ने कोटा आत्महत्या मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर असंतोष जताया.

बेंच ने राज्य के वकील से पूछा कि, कोटा में अब तक कितने युवा छात्रों की मौत हुई है." इस पर वकील ने जवाब दिया कि 14 मामले दर्ज किए गए हैं. सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार के वकील से आगे पूछा कि, ये छात्र क्यों मर रहे हैं...राजस्थान सरकार कोर्ट के फैसले की अवमानना कर रही है. बेंच ने वकील से पूछा कि, राज्य सरकार ने मामले में एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की.

बेंच को बताया गया कि छात्रा संस्थान के आवास में नहीं रह रही थी, जिसे उसने नवंबर 2024 में छोड़ दिया था, और वह अपने माता-पिता के साथ रह रही थी. पीठ ने 14 जुलाई को कोटा मामले में पुलिस अधिकारी को तलब करते हुए कहा कि, कोर्ट के निर्णय के अनुसार, एफआईआर दर्ज करना और जांच करना संबंधित पुलिस का कर्तव्य था. संबंधित प्रादेशिक पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अपने कर्तव्य में विफल रहे हैं. उन्होंने इस अदालत द्वारा जारी निर्देशों का पालन नहीं किया है

सुप्रीम कोर्ट IIT खड़गपुर में पढ़ने वाले एक 22 साल के छात्र की मौत के मामले में सुनवाई कर रहा था. 4 मई को छात्र अपने छात्रावास के कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया था. वहीं एक अन्य मामले की भी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें एक लड़की NEET की परीक्षा देने वाली थी और वह कोटा में अपने कमरे में मृत पाई गई. लड़की अपने माता-पिता के साथ रहती थी.

बेंच ने आईआईटी खड़गपुर के छात्र की मौत के संबंध में 8 मई को दर्ज की गई एफआईआर दर्ज करने में चार दिन की देरी पर सवाल उठाया. बेंच ने अदालत में मौजूद एक संबंधित पुलिस अधिकारी से पूछा कि, उन्हें एफआईआर दर्ज करने में चार दिन क्यों लगे. पीठ ने जोर देकर कहा कि ये गंभीर मामले हैं और संबंधित अधिकारियों को इन्हें हल्के में नहीं लेना चाहिए.

अदालत ने मार्च में दिए गए एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के बार-बार होने वाले मामलों पर ध्यान दिया गया था. ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन किया था.

खड़गपुर की घटना में, सुप्रीम कोर्ट की बेंच को सूचित किया गया कि मामले की जांच चल रही है. हालांकि, इस पर बेंच ने कहा कि वह पुलिस अधिकारी और आईआईटी खड़गपुर के अधिकारियों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है. साथ ही इस बात पर जोर दिया कि जांच सही दिशा में तेजी से की जानी चाहिए.

बेंच ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर बहुत सख्त रुख अपना सकता था. बेंच ने कहा, हम संबंधित क्षेत्राधिकार वाले पुलिस थाने के प्रभारी पुलिस अधिकारी के खिलाफ अवमानना का मुकदमा भी चला सकते थे.

रिलायंस पावर का शेयर आज 19% चढ़ाः53 के डे-हाई पर पहुंचा, वजह- कंपनी को भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट मिला

24 न्यूज अपडेट

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर का शेयर आज (23 मई) शुक्रवार को करीब 19% चढ़ा। कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में 45 रुपए पर ओपन हुआ और फिर 53.10 रुपए का डे-हाई बनाया। हालांकि, अभी कंपनी का शेयर 15% से ज्यादा की तेजी के साथ 51.33 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दरअसल, 4 दिन पहले रिलायंस पावर की भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट बनाने के लिए डील हुई थी। इस खबर के बाद से ही कंपनी के शेयर में ये तेजी देखने को मिल रही है। बीते 5 दिन में कंपनी का शेयर 11%, एक महीने में 18% और छह महीने में 48% चढ़ा है। वहीं एक साल में कंपनी का शेयर करीब 95% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 21.18 हजार करोड़ रुपए है।

रिलायंस पावर 500 मेगावाट (MW) का यह प्रोजेक्ट भूटान की कंपनी के साथ मिलकर 50:50 जॉइंट वेंचर में डेवलप करेगी। इसपर करीब 2000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह प्रोजेक्ट भूटान के सोलर सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर का फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (FDI) होगा।

पाकिस्तान में कोरोना से एक हफ्ते में 4 मौतेंःकराची में हर दिन 8-10 पॉजिटिव केस; भारत में अब तक कोरोना के 261 नए मामले

पाकिस्तान के कराची में बीते एक हफ्ते में कोरोना की वजह से 4 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में ज्यादातर बुजुर्ग थे और ये लोग पहले से ही कई बीमारियों से जूझ रहे थे।

ये सभी मौतें आगा खान यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में हुई है। यहां पर बीते कुछ दिनों से लगातार कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है।

वहीं, भारत में अब तक कोरोना के 261 नए मामले मिले हैं। केरल में सबसे ज्यादा 95, तमिलनाडु में 66 और महाराष्ट्र में 56 नए केस मिले हैं। इन नए मामलों के लिए कोरोना के JN1 वैरिएंट को वजह माना जा रहा है।

पाकिस्तान में रोज 8 से 10 कोरोना पॉजिटिव आ रहे

कराची के श्वसन रोग एक्सपर्ट डॉ. जावेद खान ने मीडिया को बताया कि पिछले हफ्ते से हर दिन 8 से 10 कोविड-19 के पॉजिटिव मामले देखे जा रहे हैं। वहीं, सिंध की स्वास्थ्य मंत्री डॉ. आजरा पेचुहो ने कहा कि फिलहाल पर मौजूदा हालात पर कुछ भी बयान नहीं दे सकती।

पाकिस्तान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया- हमें बहुत कम सैंपल मिल रहे हैं, लेकिन उनमें से 10 से 20% सैंपल कोविड पॉजिटिव हैं। समस्या की गंभीरता समझने के लिए हमें और डेटा चाहिए।

राममंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर स्थापित होने पहुंचा राम दरबारःप्राण प्रतिष्ठा 5 जून को, किसी भी विशिष्ट व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया जाएगा

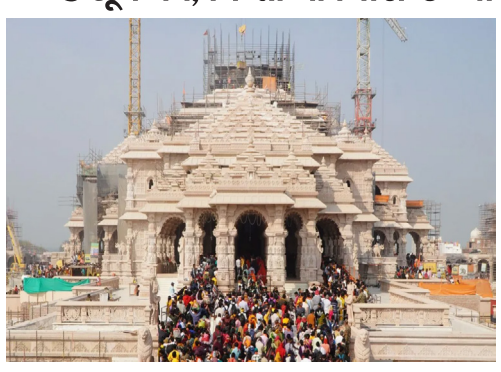

राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की प्रतिमा की स्थापना 23 मई को होगी। इसे जयपुर में तैयार किया गया है। मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी है। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमान जी भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं।इस सफेद रंग के ट्रक में लाया गया है।

राम दरबार की मूर्ति उतार ली गई है जो पूरी तरह पैक है। शेष दो ट्रक अभी लोड ही खड़े हुए हैं।

वहीं लक्ष्मण और शत्रुघ्न, भगवान राम के पीछे खड़े होकर चंवर डुलाकर उनकी सेवा कर रहे हैं। मूर्ति की प्रतिष्ठा की तैयारी पूरी हो चुकी है। राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 3 से 5 जून तक होना है।

अब राम दरबार के दर्शन के लिए कालेराम मंदिर जाने की जरूरत नहीं होगी

अयोध्या के कालेराम मंदिर में काले शालिग्राम की एक ही शिला पर लगभग ऐसा ही राम दरबार बना हुआ है। राम लला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु इस राम दरबार के दर्शन जरूर करते हैं। अब राम मंदिर में राम दरबार की प्रतिमा स्थापित होने के बाद उन्हें राम दरबार के दर्शन के लिए दूसरी जगह नहीं जाना होगा।

3 जून से ही शुरू हो जाएगा प्राण प्रतिष्ठा समारोह

श्रीराम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया- 5 जून तक मंदिर पूरी तरह से बन कर तैयार हो जाएगा। राम दरबार का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 3 जून से शुरू होगा। मुख्य कार्यक्रम 5 जून को रखा गया है। परिसर में 7 अन्य मंदिर भी बनाए गए हैं और उन मंदिरों के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान उसी समय किए जाएंगे।

इससे पहले 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की थी।

ट्रम्प की धमकी-भारत में आईफोन बनाए तो 25% टैरिफ लगाएंगेःएपल से कहा- जो iPhone अमेरिका में बेचे जाएंगे, वे यहीं बनेंगे, न कि कहीं और

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत में आईफोन बनाने को लेकर एपल को एक बार फिर धमकी दी है। शुक्रवार को ट्रम्प ने कहा अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन का निर्माण भारत या किसी अन्य देश में नहीं, बल्कि अमेरिका में ही होना चाहिए। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पहले सीधे तौर पर एपल के सीईओ टिम कुक को बता दिया है कि यदि एपल अमेरिका में आईफोन नहीं बनाएगा तो कंपनी पर कम से कम 25% का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा, मैंने बहुत पहले एपल के टिम कुक को सूचित कर दिया था कि जो आईफोन अमेरिका में बेचे जाएंगे, वे अमेरिका में निर्मित किए जाएंगे, न कि भारत या कहीं और। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एपल को कम से कम 25% का टैरिफ देना होगा।

ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बनें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नहीं चाहते कि एपल के प्रोडक्ट भारत में बने। पिछले हफ्ते ट्रम्प ने कंपनी के CEO टिम कुक से कहा था कि भारत में फैक्ट्रियां लगाने की जरूरत नहीं है। इंडिया अपना ख्याल खुद रख सकता है। एपल CEO के साथ हुई इस बातचीत की जानकारी ट्रम्प ने गुरुवार (15 मई) को कतर की राजधानी दोहा में बिजनेस लीडर्स के साथ कार्यक्रम में दी। उन्होंने कहा था कि एपल को अब अमेरिका में प्रोडक्शन बढ़ाना होगा।

इसके बावजूद एपल की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन ने भारत में 1.49 बिलियन डॉलर (करीब 12,700 करोड़) का निवेश किया है।

सोने का दाम 300 रुपए बढ़कर 95,516 पर पहुंचाःचांदी 1,135 रुपए महंगी हुई; इस साल सोना 26% और चांदी 14% बढ़ी

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी शुक्रवार, 23 मई को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 299 रुपए बढ़कर 95,516 रुपए पर पहुंच गया है। कल यह 95,516 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

वहीं, चांदी की कीमत भी आज 1,135 रुपए बढ़कर 97,654 रुपए पर पहुंच गई है। कल चांदी 96,519 रुपए किलो थी। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 पर बंदःनिफ्टी में 243 अंक का उछाल; जोमैटो, पावर ग्रिड, ITC और बजाज फिनसर्व के शेयर 3.5% चढ़े

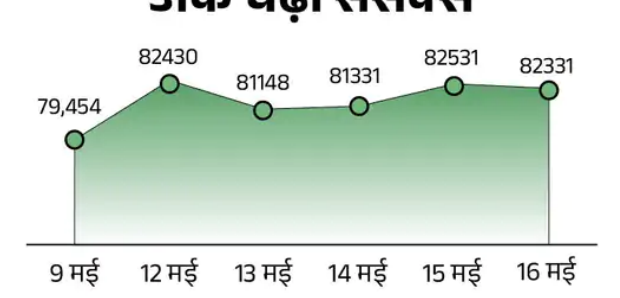

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के आखिरी कारोबार दिन आज यानी शुक्रवार, 23 मई को सेंसेक्स 769 अंक चढ़कर 81,721 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 243 अंक की तेजी रही, ये 24,853 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी, जबकि दो में गिरावट रही। जोमैटो, पावर ग्रिड, ITC और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 3.5% तक की तेजी रही। नेस्ले इंडिया समेत कुल 14 शेयरों में 1.8% तक की तेजी रही। सनफार्मा और एयरटेल 1.8% तक फिसले। निफ्टी के 50 शेयरों में से 46 में तेजी और 4 में गिरावट रही। NSE के FMCG इंडेक्स में 1.63%, प्राइवेट बैंक में 1.08%, IT इंडेक्स में 0.95%, मेटल में 0.76% और रियल्टी में 0.64% की तेजी रही। फार्मा और हेल्थ केयर में मामूली गिरावट रही।

कर्नाटक में दुष्कर्म के 7-आरोपियों का जमानत मिलने पर जश्नःहावेरी में गैंगरेप के बाद आरोपियों ने महिला को कार से पूरे शहर में घुमाया था

कर्नाटक के हावेरी जिले से शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां साल 2024 के हनगल गैंगरेप मामले में 7 लोगों को कोर्ट से जमानत मिल गई। इसके बाद आरोपियों ने शुक्रवार की रात विजय जुलूस निकाला। आरोपियों का अब यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

विजय जुलूस निकालने की घटना से पूरे जिले में आक्रोश है। आरोपियों की रिहाई और सार्वजनिक जश्न ने न सिर्फ पीड़िता की भावनाओं को आहत किया है। बल्कि, कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गैंगरेप के बाद पूरे शहर में घुमाया था महिला को

जनवरी 2024 में एक युवती ने सात लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया था। महिला कर्नाटक में हावेरी जिले एक होटल में अपने दोस्त के साथ रुकी हुई थी। इसी दौरान 15 से 20 आरोपियों ने रूम में घुसकर उन दोनों से पहले तो जमकर मारपीट की। इसके बाद उसे घसीटकर अपने साथ ले गए थे। आरोपी कार से उसे एक जंगल में ले गए और 7 युवकों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपियों ने उसे कार में बिठाकर पूरे शहर में घुमाया।

दूसरे धर्म के युवक के साथ थी महिला

पुलिस जांच में पता चला था कि महिला आरोपियों की परिचित थी। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि होटल में वह दूसरे धर्म के युवक के साथ थी। आरोपियों ने कपल को लात-घूसे मारते हुए घटना का वीडियो भी बनाया जो, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इसके बाद पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। महिला ने भी सोशल मीडिया पर मारपीट का एक वीडियो जारी किया था।

12 आरोपियों को पहले ही मिल चुकी है जमानत

इस मामले में कुल 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया थे, जिनमें सात मुख्य आरोपी भी शामिल हैं। अन्य बारह कथित तौर पर या तो अपराध में मदद करने में शामिल थे या फिर पीड़िता पर शारीरिक हमला करने में। लगभग दस महीने पहले बारह आरोपियों को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। बाकी 7 आरोपियों को भी अब जमानत मिल गई। इनके नाम... आफताब चंदनकट्टी, मदार साब मंडक्की, समीवुल्ला लालनवर, मोहम्मद सादिक आगासिमानी, शोएब मुल्ला, तौसीप चोटी और रियाज साविकेरी हैं।

संपादकीय : नक्सलवाद पर प्रहार

देश में नक्सली हिंसा लंबे समय से एक जटिल समस्या रही है। इससे निपटने के लिए सरकार ने कई स्तर पर मोर्चेबंदी की है और वह अब भी जारी है। मगर सच यह है कि अब भी इस समस्या और इसकी जड़ों से पार पाना एक चुनौती है। हालांकि नक्सली हिंसा का सामना करने के क्रम में पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों को जैसी कामयाबी मिल रही है. उससे कहा जा सकता है कि सरकार इसे खत्म करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम कर रही है और इसी मुताबिक जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई कर रही है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर बीजापुर दंतेवाड़ा जिले के सीमावती इलाकों में बुधवार को सुरक्षा बलों द्वारा सताईस नक्सलियों को मार गिराने की खबर आई। खुफिया जानकारी के बाद घेरेबंदी कर की गई इस कार्रवाई में शीर्ष माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ वसवराजू को भी मार गिराया गया। इसके अलावा, गुरुवार को राज्य के सुकमा जिले में भी नक्सल विरोधी अभियान के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडो की मौत हो गई और मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया । जाहिर है, देश भर में नक्सली हिंसा का सामना करने और इसे खत्म करने के लिए किए जाने वाले सरकारी दावों के लिहाज से ताजा कार्रवाई को एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि पिछले कुछ वर्षों से नक्सल विरोधी अभियान में तेजी के साथ छिटपुट स्तर पर नक्सलियों को या तो मार गिराने या फिर उनका समर्पण कराने में सरकार को लगातार सफलता मिल रही थी । मगर इस बार के मुठभेड़ को सरकार ज्यादा अहम इसलिए मान रही है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के तीन दशकों के दौरान यह पहली बार है जब सुरक्षा बलों ने एक शीर्ष स्तर के किसी नेता को मारा है। ताजा अभियान के तहत हाल के दिनों में छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में चौवन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और चौरासी ने आत्मसमर्पण कर दिया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिर्फ इस वर्ष अब तक एक सौ अस्सी से ज्यादा माओवादी मारे गए और कई सौ ने आत्मसमर्पण भी किया। निश्चित तौर पर नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने, आत्मसमर्पण और उनकी गिरफ्तारी को प्रत्यक्ष नक्सली हिंसा को समाप्त करने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा सकता है। मगर इस समस्या की जड़ें सामाजिक-आर्थिक कारणों में भी छिपी हैं। इसलिए प्रत्यक्ष कार्रवाई के साथ-साथ उनके समाधान या उन्हें दूर करने के लिए भी एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करने की जरूरत है। मसलन, नक्सली समूहों तक वित्तीय मदद और हथियार पहुंचने के रास्तों या माध्यमों को खत्म करने, नक्सल प्रभावित इलाकों में आम लोगों के बीच विश्वास पैदा करने, उन्हें बुनियादी और भूमि अधिकार देने, मुख्यधारा में लाने, ऋण माफ करने और गरीबी दूर करने के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक वंचनाओं से मुक्ति दिलाने जैसे अन्य पहलुओं पर भी स्थायी हल तलाशने की मंशा के साथ काम करने की जरूरत है। नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में चलाए गए अभियानों के बाद अब ऐसी संभावना भी जताई जाने लगी है कि यह समस्या अपने अंतिम चरण में है, लेकिन अगर कुछ बड़ी कामयाबियों के आधार पर भी इस समस्या की जड़ों पर चोट करने को लेकर शिथिलता बरती गई तो शायद यह इसकी जटिलता की अनदेखी साबित होगी।

हाशिये का सम्मान

बानू मुश्ताक के कन्नड़ भाषा में लिखे गए कहानी संग्रह 'हृदय दीप' के अनुदित संस्करण 'हार्ट लैप' को अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिलने से एक बार फिर यह सिद्ध हुआ है कि भारतीय साहित्य का फलक बड़ा है। इस पुरस्कार ने लेखिका की जिंदगी और उनके साहित्य को दुनिया के सामने रखा है। दरअसल, बानू मुश्ताक ने पितृसत्तात्मक समाज में संघर्ष कर रही लाखों महिलाओं की पीड़ा को अपनी कहानियों में उकेरा है। अपनी कहानियों में दर्ज उन्हीं महिलाओं को पुरस्कार समर्पित करते हुए उन्होंने कहा भी है कि यह केवल उनकी जीत नहीं, बल्कि उन अनसुनी आवाजों का समवेत स्वर है, जिसे प्रायः दबा दिया जाता है। वकील और सामाजिक कार्यकर्ता बानू रूढ़िवाद के खिलाफ हमेशा मुखर रही हैं। यह उनके लेखन में स्पष्ट दिखता है। वे सामाजिक मुद्दे प्रमुखता से उठाती रही हैं। उनकी कहानियों में परंपरा और लोकभाषा जीवंत हो उठती है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से साहित्य रचा है। इसलिए उनमें कल्पना के साथ तीखी सच्चाई है। उनका मानना है कि आज की बंटी हुई दुनिया में साहित्य एक ऐसी पवित्र जगह है, जहां हम कुछ देर के लिए ही सही, लेकिन एक दूसरे की भावना और जीवन को महसूस कर सकते हैं। लेखिका की यह भावना दुनिया से गुम हो रही संवेदना को बचाने की कोशिश है। जाहिर है, अब 'हार्ट लैंप' को बुकर पुरस्कार मिलना वैश्विक फलक पर भारतीय भाषाओं को अपनी पहचान स्थापित करने के रास्ते को और आसान बनाएगा। क्षेत्रीय भाषाओं में रचे जा रहे साहित्य को नए पाठक भी मिलेंगे। लंदन में संग्रह की अनुवादक दीपा भास्ती के साथ पुरस्कार ग्रहण करते समय बानू का यह कहना हर किसी को सुखद लगा कि कोई कहानी स्थानीय नहीं होती। उनके गांव के बरगद के पेड़ के नीचे बुनी कहानियां आज इस मंच तक को छाया दे रही हैं। निश्चित रूप से यह कन्नड़ भाषा के लिए गौरव का क्षण है। यह पहली बार है जब इस भाषा में लिखी गई लघु कहानियों के अनूदित संग्रह को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। वहीं भारतीय साहित्य में दूसरी बार किसी लेखिका को बुकर पुरस्कार मिला है। यह सम्मान बानू मुश्ताक की कड़ी मेहनत को ही नहीं, बल्कि हाशिये के समुदायों और संकीर्ण विचारों से लड़ रहीं स्त्रियों को भी मिल है।

खाद्य सुरक्षा : उदयपुर में अब तक 32 हजार राशनखोरों ने लिया नाम वापस, 1 लाख 64 हजार नाम नए जोड़े, अंतिम तिथि 31 मई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 मई। खाद्य सुरक्षा सूची में वंचित पात्र लोगों के नाम जोड़ने के लिए पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशन में गिवअप अभियान चलाया जा रहा है। इसमें खाद्य सुरक्षा सूची में शामिल अपात्र लोगों को स्वैच्छिक रूप से नाम हटवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उदयपुर जिले में अब तक 32 हजार लोगों ने गिवअप किया है। वहीं 1 लाख 64 हजार से अधिक लोगों ने नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है। जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि गिवअप अभियान की अवधि 31 मई 2025 तक बढ़ाई गई है। खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित अपात्र लाभार्थियों को नोटिस जारी करने तथा वसूली की चेतावनी से संबंधित खाद्य विभाग द्वारा निर्देश प्रदान किये गये हैं। खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में निर्धारित मापदण्ड के तहत परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हो, परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी/अर्द्ध सरकारी / स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारी हो, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो तथा परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) वे निष्कासन सूची में शामिल है। भटनागर ने बताया कि 01 नवम्बर 2024 से प्रारंभ गिवअप अभियान में अब तक राजस्थान में लगभग 20 लाख व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से लाभ छोड़ा तथा इस क्रम में उदयपुर जिले में कुल 7641 आवेदनों पर लगभग 31954 लोगों द्वारा गिवअप किया गया। इसके अलावा अब तक राजस्थान में 27.95 लाख व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा गया जिसमें उदयपुर जिले में 164041 को जोड़ा गया है। परिवहन विभाग से लेंगे चार पहिया वाहन स्वामियों का डेटा जिला रसद अधिकारी भटनागर ने बताया कि विभाग स्तर पर की गई प्रारंभिक पड़ताल के आधार पर अब तक जिले में कुल 300 अपात्र लोगों को नोटिस जारी किए गए, जिनसे वसूली की कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा जल्द ही खाद्य विभाग द्वारा शीघ्र ही परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामी का डाटा संकलित कर खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी किए जाएंगे। अभियान में अब प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान पर खाद्य विभाग के प्रवर्तन अधिकारी व प्रवर्तन निरीक्षकों को औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगो को नोटिस जारी किये जाने के आदेश प्रदान किए हैं।

राजस्थान रोडवेज बस से 1.788 किलो अवैध अफीम बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 मई 2025। राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) ने गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल की। सीबीएन की टीम ने उदयपुर-चित्तौड़गढ़ रोड पर देबारी पुलिया पिंडवाड़ा बाईपास के पास राजस्थान रोडवेज की बस (RJ 09 PA 7249) को रोककर तलाशी ली, जिसमें से 1.788 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई सीबीएन के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के मार्गदर्शन में की गई।\ उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने जानकारी देते हुए बताया कि सीबीएन को 22 मई को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति रोडवेज बस के जरिए अवैध अफीम की तस्करी कर रहा है। सूचना के आधार पर सीबीएन उदयपुर सेल की एक टीम गठित की गई और संदिग्ध मार्ग पर निगरानी शुरू की गई। बस की पहचान होने के बाद उसे रोका गया और तलाशी ली गई, जिसमें से 1.788 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। बरामद अफीम को जब्त करते हुए आरोपी को एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

सीबीएन अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ इसी प्रकार की कठोर कार्रवाइयों का सिलसिला जारी रहेगा, ताकि राज्य में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को नशीले पदार्थों की तस्करी संबंधी कोई सूचना मिले तो वे सीबीएन नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 0744-2438928, व्हाट्सएप नंबर 8764748232 या ईमेल dnc-kota@cbn.nic.in पर संपर्क कर सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

गुजरात से अजमेर दर्शन को निकले थे, ऋषभदेव में भीषण हादसा, 2 की मौत, तीन गंभीर घायल

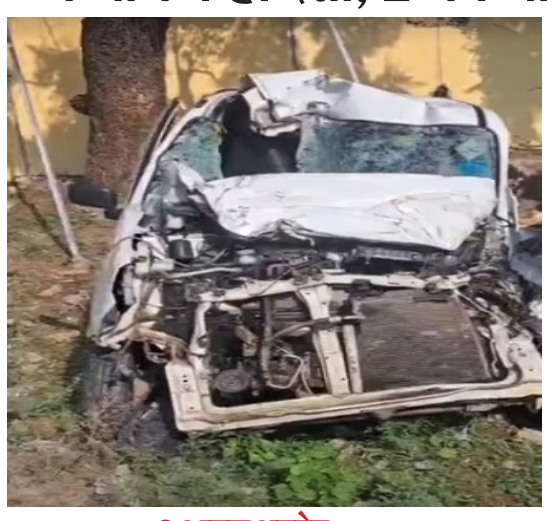

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/ऋषभदेव। सपनों से सजी नई नवेली जिंदगी, परिवार के साथ यात्रा और उस पर महज तीन दिन पहले हुई शादी- लेकिन नियति ने ऐसा मोड़ लिया कि खुशी की यात्रा मौत की मंजिल बन गई। उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर कल्लाजी मंदिर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में नवविवाहित पवन पटेल (30) और उनकी बूआ नैना देवी बेन (50) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में परिवार की तीन अन्य महिलाएं भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। अजमेर दर्शन को निकले थे, सड़क बनी काल गुजरात के अंकलेश्वर निवासी भरत भाई पटेल का परिवार हाल ही में बेटे पवन की शादी की खुशियां मना रहा था। 30 वर्षीय पवन तीन दिन पहले ही विवाह बंधन में बंधे थे। वे अपनी पत्नी रेश्मा, बूआ नैना देवी, और अन्य परिजनों के साथ तीन कारों के काफिले में अजमेर शरीफ और पुष्कर दर्शन के लिए रवाना हुए थे। यात्रा ठीक चल रही थी, लेकिन जैसे ही उनकी कार ऋषभदेव क्षेत्र में कल्लाजी मंदिर के पास पहुंची, हाईवे पर अचानक एक जोरदार टक्कर ने सब कुछ तबाह कर दिया। पवन पटेल खुद कार चला रहे थे। कार में कुल पांच लोग सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पिचक गया, बोनट और दरवाजे चिथड़े हो गए। हादसे में पवन और उनकी बूआ नैना की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी तीन महिलाएं दृ कुसुम बेन (52), बीजू बेन (55) और दिशा बेन (20) -गंभीर रूप से घायल हो गईं। कुसुम बेन के सिर में गंभीर चोट आई है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है। घायलों को पहले ऋषभदेव हॉस्पिटल पहुंचाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर सभी को उदयपुर रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने पवन और नैना को मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में जुटी, टक्कर का कारण स्पष्ट नहीं थानाधिकारी भरतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि टक्कर किस वाहन से हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रारंभिक जांच और परिजनों के बयान के बाद ही दुर्घटना के कारण की पुष्टि हो पाएगी। फिलहाल दोनों शव एमबी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखे गए हैं और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है।

परिवार में मातम, गांव में सन्नाटा

जिस घर में तीन दिन पहले शादी की शहनाइयां गूंजी थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। पवन की असमय मौत से नवविवाहिता रेश्मा बेसुध है, और पूरे परिवार में गहरा शोक है। अंकलेश्वर से लेकर उदयपुर तक यह खबर जिसने भी सुनी, स्तब्ध रह गया।

चित्तौड़गढ़ किले में पहली बार दिखा जंगली भालू, सुरक्षा में हड़कंप

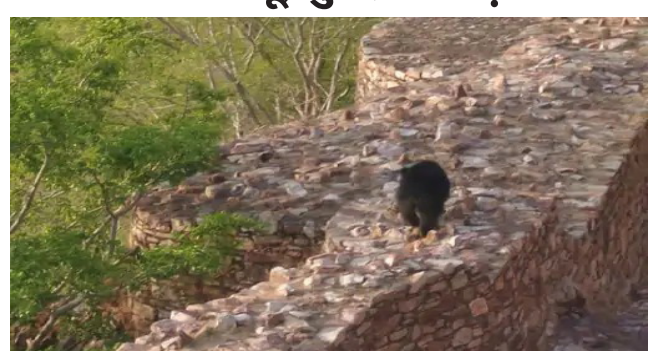

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ के ऐतिहासिक दुर्ग में शुक्रवार सुबह एक अनोखी घटना हुई। सूरजपोल गेट के पास एक जंगली भालू दिखा, जो गेट पार करके किले की पहाड़ियों की तरफ चला गया। किले में तैनात सुरक्षा गार्ड ने भालू का वीडियो बना कर भारतीय पुरातत्व विभाग (ASI) के अधिकारी प्रेम शर्मा को भेजा। प्रेम शर्मा ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की फ्लाइंग टीम, जिसका नेतृत्व रेंजर नेपाल सिंह कर रहे थे, दोपहर तक मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाती रही। उनके साथ दिल्ली गेट नाका के वनपाल झूमर राम और वनरक्षक मुकेश कुमार भी थे। हालांकि, अब तक भालू को फिर से नहीं देखा गया है। ये घटना इसलिए खास है क्योंकि चित्तौड़गढ़ किले या आस-पास के मृग वन, बस्सी सेंचुरी, सीतामाता सेंचुरी और टेरिटोरियल एरिया में कभी भी भालू नहीं देखा गया था। पहली बार किसी ने यहां भालू देखा है, जिससे स्थानीय लोग काफी हैरान और थोड़े डरे हुए भी हैं। वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि यह भालू संभवतः मध्य प्रदेश के जंगलों से होकर आया होगा या मेनाल की पहाड़ियों से भटक कर यहां पहुंचा है। सामान्यतः जंगली जानवर भोजन और पानी की तलाश में नए इलाकों में जाते हैं। स्थानीय लोग और पर्यटक इस खबर को लेकर काफी उत्सुक हैं, लेकिन वहीं कुछ डर भी महसूस कर रहे हैं। वन विभाग ने साफ कहा है कि अगर भालू दोबारा नजर आए तो किसी भी हालत में उसके पास जाकर उसे परेशान न करें। सिर्फ दूर से नजर रखें और तुरंत विभाग को सूचित करें। अभी भी वन विभाग की टीम भालू की खोज में लगी हुई है और किले के आसपास गश्त बढ़ा दी गई है। जहां चित्तौड़गढ़ किले में इतिहास और शौर्य की गूंज होती थी, अब वहां जंगल की इस नई हलचल ने एक अलग तरह की चर्चा शुरू कर दी है।

नक्सली मुठभेड़ में अदम्य साहस दिखाने वाले बांसवाड़ा के राजेश पंचाल को शौर्य चक्र, पिता का मुखाग्नि देकर पहुंचे दिल्ली

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा जिले के खमेरा गांव के वीर सपूत और सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट राजेश पंचाल को नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान दिखाए गए अद्वितीय साहस और नेतृत्व के लिए भारत के वीरता पुरस्कारों में एक शौर्य चक्र से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें 22 मई को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया गया। राजेश पंचाल के लिए यह सम्मान गौरव के साथ-साथ निजी दुःख से भरा हुआ भी रहा। 20 मई को वे अपने पिता के साथ चित्तौड़गढ़ से दिल्ली रवाना हुए थे, लेकिन रास्ते में कोटा पहुंचते ही उनके पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उनका निधन हो गया। पुत्र धर्म निभाते हुए राजेश पिता के पार्थिव शरीर को लेकर खमेरा गांव लौटे और उन्हें अंतिम विदाई दी। इसके बाद वे उसी शाम उदयपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुए और अगले दिन नम आंखों से राष्ट्रपति से शौर्य चक्र ग्रहण किया।

मुठभेड़ में दिखाया अद्वितीय पराक्रम

यह सम्मान राजेश पंचाल को उस बहादुरी के लिए दिया गया, जो उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान दिखाई थी। नक्सलियों की ओर से भारी गोलाबारी के बीच राजेश और उनके साथी घायल हो गए थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। घंटों तक चले संघर्ष में उन्होंने अपने साथियों के साथ मोर्चा संभाले रखा और सभी नक्सलियों को मार गिराया। घायल होने के बावजूद डटे रहने वाले पंचाल को मुठभेड़ के बाद इलाज के लिए दिल्ली लाया गया था, जहां वे पूरी तरह स्वस्थ हुए। राजेश पंचाल की इस वीरता ने न सिर्फ बांसवाड़ा बल्कि पूरे राजस्थान और देश को गौरवांवित किया है। उनके साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल लंबे समय तक याद रखी जाएगी। खमेरा गांव में जैसे ही राजेश को शौर्य चक्र मिलने की खबर पहुंची, गांववासियों में गर्व और उत्साह की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोग और परिजन उनकी वीरता पर फूले नहीं समा रहे हैं।

चित्तौड़गढ़ में आंधी-तूफान से दीवार गिरी, महिला और मासूम की मौत

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, भीलवाड़ा। राजस्थान में मंगलवार को बदले मौसम ने कहर बरपाया। चित्तौड़गढ़ जिले के साडास थाना क्षेत्र में आंधी और बारिश के दौरान एक कच्चे मकान की दीवार गिरने से महिला और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा उस समय हुआ जब बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे और महिला पास ही बैठी थी। जानकारी के मुताबिक, तेज हवा और बारिश के कारण मगना भील के कच्चे मकान की दीवार अचानक ढह गई। दीवार के मलबे में शायरी उर्फ शांति (50) पत्नी मगना भील, सूरज (7) पुत्र सुरेश भील और राजू उर्फ रतन (12) पुत्र कैलाश भील दब गए। ग्रामीणों ने तीनों को तुरंत भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने शायरी और सात वर्षीय सूरज को मृत घोषित कर दिया। घायल रतन का इलाज अस्पताल में जारी है। सूचना मिलने पर साडास थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची और कानूनी प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने और गांव में कमजोर व जर्जर मकानों की जांच कर आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

बांसवाड़ा-उदयपुर हाईवे पर दर्दनाक हादसा: जिंदा जल गया 24 वर्षीय युवक, लोगों के सामने कार में तड़पता रहा; गेट जाम होने से बाहर नहीं निकल सका

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 24 मई। राजस्थान के बांसवाड़ा-उदयपुर स्टेट हाईवे पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 24 वर्षीय युवक की कार में जलकर मौत हो गई। हादसा गनोड़ा कस्बे के पास हुआ, जहां कार के पेड़ से टकराने के बाद उसमें आग लग गई और युवक गेट जाम होने के कारण बाहर नहीं निकल सका। चश्मदीदों ने उसे बचाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। मोटा गांव थाना क्षेत्र के थानाधिकारी रामसिंह पंवार ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे उदयपुर की ओर जा रही एक कार गनोड़ा कस्बे के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई, जिससे उसमें भीषण आग लग गई। कार में सवार निखिल मीणा (24), पुत्र हरिसिंह मीणा, निवासी कोटपूतली (जयपुर जिला), भीतर ही फंसा रह गया और ज़िंदा जल गया।

गेट लॉक होने से नहीं निकल सका बाहर

हादसे की भयावहता का जिक्र करते हुए थाना अधिकारी ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के सभी गेट भीतर से लॉक और जाम हो गए, जिससे निखिल बाहर नहीं निकल पाया। उसका शरीर बुरी तरह से जल चुका है और पहचान भी कार के नंबर के आधार पर संभव हो सकी। परिजनों को सूचना देकर बुलाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों की बेबसी: "हमने गेट तोड़ने की हर कोशिश की..." प्रत्यक्षदर्शी दीपक द्विवेदी, जो उसी समय उदयपुर की ओर जा रहे थे, ने बताया कि "जैसे ही हम गनोड़ा के पास पहुंचे, देखा कि कार में आग लगी हुई है और एक युवक भीतर तड़प रहा है। हम तुरंत कार रोककर बचाव में जुटे और आसपास के लोग भी मदद को आए। गेट तोड़ने की कोशिश की लेकिन सब जाम थे, और कोई संसाधन नहीं था जिससे आग बुझाई जा सके।"

मौके पर नहीं थे आपातकालीन संसाधन

दीपक ने आगे बताया कि जिस स्थान पर दुर्घटना हुई वहां कोई अग्निशमन व्यवस्था या पानी उपलब्ध नहीं था। बचाव का कोई साधन न होने के कारण लोग देखते ही देखते युवक को जिंदा जलते देख बेबस रह गए। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंची, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार शव की स्थिति इतनी जली हुई और क्षतिग्रस्त थी कि उसे मॉर्च्यूरी ले जाना संभव नहीं था। इसलिए मौके पर ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से समन्वय किया जा रहा है।

10वीं बोर्ड परीक्षा में मलारना के सरकारी स्कूल में खुलेआम नकल, टीचर और स्टाफ की मिलीभगत वायरल

24 न्यूज अपडेट

सवाई माधोपुर | राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सवाई माधोपुर जिले के मलारना स्टेशन स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने बोर्ड परीक्षाओं की शुचिता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि 10वीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान स्वयं शिक्षक और परीक्षा निगरानी के लिए तैनात कर्मचारी विद्यार्थियों को उत्तर बता रहे हैं और नकल को बढ़ावा दे रहे हैं। वीडियो में स्कूल का एक शिक्षक जींस और चेकदार शर्ट में टेबल पर बैठकर बच्चों को सवालों के उत्तर (अ, ब, स, द) बता रहा है। यही नहीं, नकल रोकने के लिए नियुक्त किया गया फोटोग्राफर भी छात्रों को नकल करा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान परीक्षार्थी बिना किसी भय के एक-दूसरे की उत्तर पुस्तिकाएं अदला-बदली करते नजर आ रहे हैं। जिम्मेदारों की भूमिका संदिग्ध, शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप

इस वीडियो के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक हरकेश मीणा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच समिति का गठन किया है। उनका कहना है, "मामले की पूरी जांच करवाई जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।"

नकल रोकने के प्रयास सवालों के घेरे में

राज्य सरकार और शिक्षा विभाग बार-बार नकल रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड्स और निगरानी की बात करते हैं, लेकिन जब परीक्षा केंद्र के भीतर ही शिक्षक और जिम्मेदार कर्मचारी इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं, तो यह पूरे तंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाता है।

परिणाम पर भी उठे सवाल

यह घटना तब सामने आई है जब परीक्षा समाप्त हो चुकी है और परिणाम की घोषणा निकट है। ऐसे में इस परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। यह स्पष्ट है कि यदि इस तरह की घटनाएं बगैर सख्त कार्रवाई के दबा दी जाती हैं, तो योग्य छात्रों के साथ घोर अन्याय होगा।

साइबर अलर्ट : साइबर धोखाधड़ी के लिए फोटो, ऑडियो, वीडियो या लिंक भेजकर ठग बना रहे हैं लोगों को शिकार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 23 मई। महानिदेशक पुलिस साइबर अपराध श्री हेमंत प्रियदर्शी के निर्देश पर साइबर ठगी की घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन को जागरूक करने पुलिस मुख्यालय के साइबर कमांडो और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ लगातार लोगों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए जागरूक कर रहे हैं। फोन पर आने वाले संदिग्ध फोटो, वीडियो और लिंक से बचने के लिए उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बातें बताई हैं:

इन दिनों एक साईबर अपराध काफी चर्चा में है और काफी लोगों के साथ हो रहा है। अनजान व्यक्ति आपको व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर फोटो, ऑडियो या वीडियो या लिंक भेजता हैं। आप जैसे ही उस इमेज या ऑडियो आदि को ओपन या प्ले करते हैं, उसी वक्त आपके फोन का एक्सेस साईबर अपराधी के पास चला जाता है, यानी कि आपका फोन हैक हो जाता है। इस संदर्भ में पुलिस मुख्यालय की साइबर विंग द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है।

पुलिस मुख्यालय के साइबर कमांडो महेश कुमार ने बताया कि फोन हैक होने के बाद आपके मैसेज और कॉल आदि को साईबर अपराधी द्वारा अन्य नंबरों पर फॉरवर्ड कर दिया जाता है और फॉरवर्ड मैसेज आदि से प्राप्त ओटीपी को काम में लेकर आपके बैंक अकाउंट से पैसे निकाले जा सकते हैं या फिर कोई ऐसा कोड छुपा हुआ होता है जिससे आपके फोन में कोई एपीके फाइल डाउनलोड हो जाती है ।

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर एक फोटो डाऊनलोड करके देखने से या ऑडियो सुनने से फोन हैक कैसे किया जा सकता है? तो हम आपको बता दें कि इसके पीछे एक तकनीक कार्य करती है जिसे स्टेग्नोग्राफ़ी (Stegnography) कहा जाता है। स्टेग्नोग्राफ़ी का अर्थ होता है-छुपाकर लिखना।

मैलिशियस कोड वाली फोटो/वीडियो

स्टेग्नोग्राफ़ी में किसी संदेश या मैलिशियस फ़ाइल को किसी दूसरी फ़ाइल जैसे किसी फोटो या ऑडियो आदि के पीछे इस तरह छुपाया जाता है कि देखने वाले को पता ही न चले कि उसमें कोई कोड या कोई डेटा भी छुपा हुआ है। इसमें सूचना को इस तरह से हाईड किया जाता है कि उसका अस्तित्व ही नजर न आए। जैसे ही आप उस फोटो और वीडियो को डाउनलोड करते हैं वह कोड आपके फोन में सक्रिय हो जाता है और ठग को आपके डिवाइस का एक्सेस मिल जाता है। जिसमें वह आपके फोन का डाटा व निजी जानकारी को पूरी तरह नियंत्रित कर सकते हैं।

फिशिंग लिंक्स

ठग फर्जी ईमेल या मोबाइल पर मैसेज भेजते हैं। जिसमें आकर्षक ऑफर लॉटरी जीतने का दावा या किसी सरकारी योजना का लालच दिया जाता है। इन मैसेज में एक लिंक होता है जिस पर क्लिक करने को कहा जाता है। लिंक पर क्लिक करते ही आप एक नकली वेबसाइट पर पहुंच जाते हैं जो देखने में असली लगती है। जैसे बैंक की वेबसाइट, सरकारी पोर्टल या इ-कॉमर्स साइट। यहां आपसे आपकी व्यक्तिगत जानकारी बैंक विवरण, पासवर्ड या ओटीपी मांगा जाता है। जैसे ही आप यह जानकारी डाल देते हैं वह ठगों के पास पहुंच जाती है और वह आपके खातों में से पैसे उड़ा सकते हैं

सोशल मीडिया डाउनलोडिंग स्कैम

आजकल यह साइबर धोखाधड़ी करने का एक आम तरीका बन गया है। ठग आपको एक किसी व्यक्ति की फोटो भेजते हैं, इसमें आपको उस फोटो को पहचानने के लिए कहा जाता है। जैसे ही आप उस फोटो को डाउनलोड करते हैं आपके मोबाइल और पूरे एकाउंट का कंट्रोल हैकर के पास चला जाता है

इस साइबर अपराध से बचने के उपाय

1. अनजान व्यक्ति से प्राप्त मैसेज चाहे किसी भी फॉर्मेट (image, ऑडियो, वीडियो, पीडीएफ या apk) में हों को कभी भी सीन या डाउनलोड नहीं करना है।
2. जो ऐप आप इस्तेमाल कर रहे हैं उसकी मीडिया सेटिंग्स में जाकर मीडिया ऑटो डाउनलोड (when using Mobile Data/ when connected on Wi-fi/When Roaming) को हमेशा ऑफ रखें।
3. अगर गलती से इमेज आदि को डाउनलोड कर लेते हैं तो अपने मोबाइल में देखें कि कोई अवांछित एप्लीकेशन तो डाउनलोड नहीं हुई।
4. अपने सभी सोशल मीडिया और बैंक खातों पर टू-स्टेप वेरिफिकेशन (या टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन) को सक्षम करें।
5. अपने मोबाइल और अन्य उपकरणों के ऑपरेटिंग सिस्टम और ऐप्स को हमेशा अपडेट रखें, क्योंकि अपडेट में सुरक्षा पैच शामिल होते हैं।

अगर आपके साथ किसी भी प्रकार का साईबर अपराध हो जाता जाता है तो इसकी शिकायत साईबर अपराध हेल्प लाइन नंबर 1930 पर या www.cybercrime.gov.in पर तुरंत करे।

पेपर लीक कर पास हुई महिला वनरक्षक समेत तीन गिरफ्तार एक ने 1 लाख तो दूसरे ने 3 लाख रुपए दिए, दलाल भी पकड़ा गया

24 न्यूज अपडेट

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले में गुरुवार को एक युवती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो वनरक्षक हैं, जिन्होंने लीक पेपर पढ़कर एग्जाम पास किया था। पेपर के लिए दोनों वनरक्षक ने कुल 4 लाख (1 लाख और 3 लाख) रुपए दलाल को दिए थे।

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया- वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले की एसओजी ने जांच की। जांच के दौरान 12 मार्च को कार्रवाई कर पेपर लीक मामले में आरोपी कंवराराम जाट (गुजरात के पालनपुर में स्टेशन मास्टर) को अरेस्ट किया गया था। उससे पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसने वनरक्षक उमाराम और प्यारी कुमारी को 13 नवम्बर 2022 को हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर उदयपुर में एग्जाम से पहले ही दे दिया था।

पूछताछ में नाम सामने आने पर एसओजी ने गुरुवार को गुडामलानी (बाड़मेर) के रहने वाले आरोपी वनरक्षक उमाराम (23) और वनरक्षक प्यारी कुमारी (30) को गिरफ्तार किया।

पेपर पढ़ने के लिए दो लोगों ने 4 लाख रुपए दिए

पूछताछ में दोनों वनरक्षकों से पेपर के लिए 4 लाख रुपए देना सामने आया। आरोपी वनरक्षक उमाराम ने लीक पेपर पढ़ने के लिए फरार आरोपी जबराराम जाट को 1 लाख रुपए दिए थे। जबकि, आरोपी वनरक्षक प्यारी कुमार के भाई हीराराम ने 3 लाख रुपए दिए थे। एसओजी वांछित आरोपी जबराराम जाट की तलाश में दबिश दे रही है।

दलाल को किया अरेस्ट

एसओजी ने पूर्व में गिरफ्तार वनरक्षक टिमो के दलाल रमेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। टिमो के भाई महेंद्र से पेपर के लिए दलाल रमेश ने 8 लाख रुपए लिए। टिमो का पति लिखमाराम भी पेपर पढ़ाने के षड्यंत्र में शामिल था। वह चौहटन में ट्रैफिक पुलिस कॉन्स्टेबल था।

फ्लाइंग ने कानून मंत्री की पोती पर बनाया नकल का केस, परीक्षा केंद्र अधीक्षक बोले-केस नहीं बनता, हनुमन बेनीवाल बोले-मामला सेटल करने में लगे मंत्री

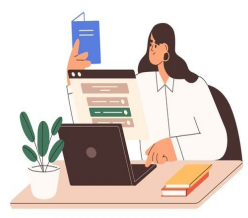

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जोधपुर। राजस्थान के कानून मंत्री जोगाराम पटेल की पोती को जोधपुर स्थित एमबीएम इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षा के दौरान नकल करते हुए कथित रूप से पकड़ा गया। यह घटना एन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग विषय की परीक्षा के दौरान हुई, जब फ्लाइंग स्क्वाड ने निरीक्षण के दौरान उनके कैलकुलेटर के कवर पर पेंसिल से लिखी गई जानकारी पाई, जिससे नकल की पुष्टि हुई। फ्लाइंग स्क्वाड के सदस्यों डॉ. अंशु अग्रवाल और डॉ. मनीष कुमार ने इस मामले में नकल का केस बनाया और छात्रा को नई उत्तर पुस्तिका प्रदान की गई। हालांकि, परीक्षा केंद्र अधीक्षक डॉ. श्रवणराम ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह नकल का केस नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि कैलकुलेटर के कवर पर कई बार ऐसे ही कुछ लिखा हो सकता है और इस मामले को नकल के तौर पर शामिल नहीं करने की सिफारिश की। इस घटना ने राजनीतिक हलकों में भी हलचल मचा दी है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी प्रमुख और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा, "जब एक मंत्री की पोती को नकल करते पकड़ा जाता है और फिर उसे क्लीन चिट दी जाती है, तो यह शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है।" बेनीवाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन से पारदर्शी जांच की मांग की है और कहा कि यदि दोषी पाए जाते हैं, तो उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक जांच समिति गठित कर दी है। अब देखना यह है कि जांच समिति की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई होती है या फिर लीपापोती कर दी जाती है। हनुमान बेनीवाल ने अपनी सोशल मीडिया की पोस्ट में कहा कि राजस्थान पुलिस उप-निरीक्षक भर्ती 2021 को लेकर राजस्थान सरकार द्वारा गठित कैबिनेट सब-कमेटी के अध्यक्ष व राजस्थान सरकार के विधि मंत्री पहले अपने पद के प्रभाव से खुद के बेटे को उच्च न्यायालय में अतिरिक्त महाधिवक्ता बनाते है, जन - विरोध के बाद बेटे को पद से त्याग पत्र दिलवाते है और उसके बाद कर्मचारी चयन बोर्ड का सरकारी अधिवक्ता बनाते है तथा आज जोगाराम जी की पौत्री जब नकल करते पकड़ी जाती है है और मंत्री जी लग जाते है मामला सेटलमेंट करवाने। मेरी मुख्यमंत्री से मांग है कि ऐसे मंत्री को एसआई भर्ती से संबंधित गठित कैबिनेट सब-कमेटी के अध्यक्ष पद से तत्काल हटाया जाए क्योंकि जो मंत्री अपने पद के प्रभाव से नियम विरुद्ध कार्य करवाने में माहिर हैं तथा जिनके आचरण में ही भ्रष्टाचार झलकता है उनसे राजस्थान के युवाओं को न्याय की अपेक्षा नहीं है।

20 साल पहले तानी थी पिस्तौल, अब जाकर हुआ न्याय, गई विधायकी, राजस्थान विधानसभा फिर 199 के फेर में, अंता सीट रिक्त

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। कहते हैं कि न्याय में देरी न्याय नहीं मिलने के बराबर होती है। 20 साल पहले नेताजी ने अफसर पर पिस्तौल तानी थी, अब जाकर उनके खिलाफ कार्रवाई हुई है। अब जाकर संपूर्ण न्याय मिल पाया है। ऐसे में यह साफ हो रहा है कि देश में संपूर्ण रूप से समय पर न्याय मिलना आज भी दूर की कौड़ी है। जबकि पिस्तौल तानने पर कार्रवाई हाथोंहाथ हो जानी चाहिए। ये तो नेता का मामला है सोच लीजिए कि आम आदमी होता तो क्या होता। बहरहाल, करीब 20 साल पुराने प्रकरण में आखिरकार न्याय की गूंज सुनाई दी है। एसडीएम पर पिस्तौल तानने के मामले में तीन साल की सजा पाए भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा की विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार, 23 मई को इसकी अधिसूचना जारी की। यह मामला 3 फरवरी 2005 का है, जब अंता विधानसभा क्षेत्र में उपसरपंच चुनाव के दौरान एक विवाद में कंवरलाल मीणा पर तत्कालीन उपखंड अधिकारी (एसडीएम) पर पिस्तौल तानने का आरोप लगा था। इस मामले में लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया चली। पहले 2 अप्रैल 2018 को मनोहरथाना की एसीजेएम कोर्ट ने उन्हें आरोपमुक्त कर दिया, लेकिन 14 दिसंबर 2020 को झालावाड़ जिले की अकलेरा स्थित एडीजे कोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए तीन साल की सजा सुना दी। इसके खिलाफ विधायक कंवरलाल ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन (सीआरपी) दायर की, जो 1 मई 2025 को खारिज कर दी गई। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) लगाई, जिसे 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि वे दो सप्ताह में कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करें। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 21 मई को कंवरलाल मीणा ने मनोहरथाना की एसीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इसके साथ ही राजस्थान विधानसभा सचिवालय ने उन्हें नोटिस जारी कर सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत मिलने की स्थिति स्पष्ट करने को कहा था, परंतु राहत नहीं मिलने पर विधानसभा अध्यक्ष के पास सदस्यता रद्द करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। आखिरकार 23 मई को अधिसूचना जारी करते हुए कंवरलाल मीणा की सदस्यता 1 मई 2025 से प्रभावी रूप से समाप्त घोषित कर दी गई। अब राजस्थान विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 200 से घटकर 199 रह गई है और अंता विधानसभा सीट रिक्त हो गई है। इस पर उपचुनाव होंगे या नहीं, यह सुप्रीम कोर्ट में लंबित समीक्षा याचिका पर निर्भर करेगा। इस मामले पर कांग्रेस नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कोर्ट के आदेश के 23 दिन बाद तक भी भाजपा विधायक की सदस्यता रद्द नहीं होना संविधान और न्याय प्रणाली का अपमान था, लेकिन अंततः सत्य की जीत हुई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसे लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा की जीत बताया। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्पष्ट किया कि उन्हें जैसे ही राज्य के महाधिवक्ता की राय 23 मई की सुबह 10:30 बजे प्राप्त हुई, उसी दिन संविधान सम्मत निर्णय लेते हुए सदस्यता समाप्त की गई और इस मामले में किसी भी प्रकार का राजनीतिक दबाव नहीं था। उल्लेखनीय है कि यह पिछले आठ वर्षों में दूसरी बार है जब किसी विधायक की सदस्यता सजा के कारण समाप्त की गई है। इससे पहले बसपा विधायक बीएल कुशवाह को हत्या के मामले में उम्रकैद होने पर सदस्यता गंवानी पड़ी थी।

RAS भर्ती-2023 के इंटरव्यू का चतुर्थ चरण 2 जून से:13 तक होगा आयोजन, कैंडिडेट्स के इंटरव्यू-पत्र वेबसाइट पर होंगे अपलोड

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं (RAS) भर्ती-2023 इंटरव्यू के चतुर्थ चरण एवं सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2023 के फिजिक्स विषय के प्रथम चरण के इंटरव्यू का कार्यक्रम जारी कर दिया है। आरएएस परीक्षा 2023 के तहत चतुर्थ चरण के इंटरव्यू का आयोजन 2 से 13 जून तक किया जाएगा। इसी तरह सहायक आचार्य परीक्षा 2023 के फिजिक्स विषय के लिए प्रथम चरण के साक्षात्कार 2 जून से 20 जून तक आयोजित किए जाएंगे। जिन अभ्यर्थियों ने विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, उन्हें विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में सभी प्रमाण-पत्रों की फोटोकॉपी के साथ प्रस्तुत करने हैं। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

इंटरव्यू के समय अभ्यर्थियों को स्वयं के नवीनतम पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, नवीनतम स्पष्ट फोटो युक्त मूल पहचान-पत्र तथा सभी मूल प्रमाण-पत्र फोटोकॉपी के साथ उपस्थित होना है, अन्यथा उन्हें इंटरव्यू से वंचित कर दिया जाएगा।

वाहन चोरी के दो मामलों का खुलासाः नाबालिग गैंग से चार बाइक बरामद, चार किशोर डिटेन, सुनसान जगहों से बाइक चोरी करते, गांव जाकर मौज-मस्ती करते

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर में लगातार हो रही दुपहिया वाहन चोरी की घटनाओं के बीच हाथीपोल थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने वाहन चोरी के दो मामलों में चार नाबालिग चोरों को डिटेन कर लिया है और उनकी निशानदेही पर चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इस गैंग द्वारा शहर के चेतक सर्कल, सेलिब्रेशन मॉल और सूरजपोल क्षेत्र से बाइक चोरी की गई थी। प्रकरण की शुरुआत 14 मई को हुई, जब प्रशांत माली (पुत्र श्री मुरलीधर माली, उम्र 30 वर्ष, निवासी 2-ख-1, हिरणमगरी सेक्टर-11) ने थाना हाथीपोल में रिपोर्ट दी कि उन्होंने अपनी काली रंग की हीरो पैशन प्रो बाइक (RJ27 SX 6939) को एचडीएफसी बैंक चेतक सर्कल के बाहर खड़ा किया था। शाम को लौटने पर बाइक नहीं मिली। खुद के प्रयास विफल होने पर उन्होंने 17 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर थाना हाथीपोल ने मामला क्रमांक 68/2025 धारा 303(2) बीएनएस के अंतर्गत दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लिया संज्ञान जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए वाहन चोरों की धरपकड़ के लिए सख्त निर्देश जारी किए। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री उमेश ओझा एवं वृताधिकारी वृत पश्चिम श्री कैलाश चंद्र के मार्गदर्शन में थानाधिकारी योगेन्द्र कुमार व्यास के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। मुखबिर और तकनीकी निगरानी से मिली सफलता तकनीकी संसाधनों और मुखबिर तंत्र के सहयोग से पुलिस टीम को सूचना मिली कि बलीचा बाईपास क्षेत्र में दो युवक एक बाइक बेचने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस टीम ने सादा वस्त्रों में बलीचा पहुंचकर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। पूछताछ में वे बाइक के बारे में संतोषजनक जानकारी नहीं दे पाए, जिस पर उन्हें थाने लाया गया। मनोवैज्ञानिक पूछताछ के बाद दोनों ने बाइक को चेतक सर्कल से चोरी करना स्वीकार किया।

अन्य साथियों का भी खुलासा

पूछताछ में दोनों नाबालिगों ने बताया कि उनके अन्य दो साथी भी शहर में बाइक चोरी की वारदात में संलिप्त हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अन्य दो नाबालिगों को भी शहर में चोरी की बाइक के साथ पकड़ लिया। सभी आरोपियों से गहन पूछताछ में सामने आया कि उन्होंने सेलिब्रेशन मॉल और सूरजपोल स्थित मस्जिद के पास से भी दो और मोटरसाइकिलें चुराई थीं। पुलिस ने चारों स्थानों से कुल चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। चारों नाबालिग लड़के ग्रामीण क्षेत्रों से उदयपुर शहर में काम की तलाश का बहाना बनाकर आते, यहां रेकी कर सुनसान जगहों से बाइक चोरी करते और फिर वापस अपने गांव जाकर चोरी की बाइक से घूमना-फिरना और मौज-मस्ती करते थे।

बरामद मोटरसाइकिलें

हीरो पैशन प्रो (RJ27 SX 6939) – चेतक सर्कल से चोरी, बाइक – सेलिब्रेशन मॉल के पास से चोरी, बाइक – सूरजपोल स्थित मस्जिद क्षेत्र से चोरी, बाइक – हाथीपोल थाना क्षेत्र से पूर्व में चोरी गई

पुलिस टीम में शामिल अधिकारीः

श्री शंभु सिंह (सउनि)
श्री मोहम्मद अतहर (सउनि)
श्री धर्मेन्द्र सिंह (हेड कांस्टेबल, नं. 817)
श्री रामखिलाड़ी (हेड कांस्टेबल, नं. 869)
श्री मांगीलाल (कांस्टेबल, नं. 2211)
श्री धर्मपाल (कांस्टेबल, नं. 2670)
श्री कैलाश (कांस्टेबल, नं. 1112)
श्री बहादुर सिंह (कांस्टेबल, नं. 3317)
श्री लोकेश रायकवाल (साइबर सेल, उदयपुर)

8,000 करोड़ की ड्रग्स के मामले में 9 साल बाद 7 दोषी, सजा का ऐलान 26 को

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। उदयपुर में वर्ष 2016 से चल रहे बहुचर्चित ड्रग्स तस्करी मामले में विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सात आरोपियों को दोषी करार दिया है। इस केस की अगली सुनवाई 26 मई 2025 को होगी, जिसमें कोर्ट दोषियों को सजा सुनाएगी। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) द्वारा की गई इस जांच में कलडवास औद्योगिक क्षेत्र स्थित 'मरुधर' नामक फैक्ट्री से 23.5 टन मेथाकॉलाइन (मेंड्रेक्स) जब्त किया गया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 8,000 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई थी। दोषी करार दिए गए आरोपियों में रवि दुदानी, परमेश्वर व्यास, अतुल मातरे, गुंजन दुदानी, निर्मल दुदानी, अनिल मलकानी और संजय आर पटेल शामिल हैं। इनमें से संजय पटेल अब तक बेल पर थे, जिन्हें अब न्यायिक हिरासत में ले लिया गया है। वहीं इस केस के एक अन्य आरोपी सुभाष दुदानी की न्यायिक सुरक्षा के दौरान ही मृत्यु हो चुकी है। DRI ने मामले में बेहद सख्त और व्यापक जांच करते हुए 50 से अधिक गवाहों को पेश किया और अदालत के समक्ष 1,000 से अधिक दस्तावेज व लगभग 1,600 भौतिक साक्ष्य प्रस्तुत किए। यह केस पहले जिला एवं सत्र न्यायालय में चला, जिसे बाद में स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट में स्थानांतरित किया गया। पीठासीन अधिकारी मनीष वैष्णव ने मामले की सुनवाई की। विशेष लोक अभियोजक प्रवीण खंडेलवाल, एसपी शर्मा और राजेश वसीटा की मजबूत पैरवी के चलते अदालत ने सातों आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा के लिए अगली तारीख 26 मई निश्चित की है। यह मामला नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ देश की अब तक की सबसे बड़ी कानूनी कार्रवाइयों में एक माना जा रहा है।

मुंबई से होता था कारोबार

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की टीम ने नवंबर 2016 में मुंबई से मिले इनपुट के आधार पर उदयपुर जिले के कलड़वास क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री पर छापा मारकर एमडी ड्रग्स की अब तक की सबसे बड़ी खेप को जब्त किया था। इस छापे में 2300 किलो से अधिक एमडी (मेथेड्रोन) ड्रग्स बरामद की गई थी, जिसकी बाजार कीमत करीब 1200 करोड़ रुपये आंकी गई थी। उस समय इसे देश की अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी माना गया था। टीम ने जांच के बाद खुलासा किया था कि यह ड्रग्स रैकेट मुंबई से ऑपरेट किया जा रहा था। उदयपुर के कलड़वास में ड्रग्स का गोदाम बनाया गया था, जबकि राजसमंद के धोइंदा में इसकी मैन्युफैक्चरिंग की जा रही थी। छापेमारी के दौरान क्ट्स् ने राजसमंद और गुडली क्षेत्र में भी कार्रवाई की थी। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साउथ अफ्रीका तक ड्रग्स की आपूर्ति करता था। 1200 करोड़ की इस ड्रग्स फैक्ट्री से जुड़े मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन अभियुक्तों में से प्रमुख नाम रवि दूदानी, परमेश्वर व्यास और सुभाष दूदानी है। सुभाष दूदानी की मृत्यु हो चुकी है, जबकि रवि दूदानी और परमेश्वर व्यास पिछले 9 वर्षों से जेल में बंद हैं।

उदियापोल की हाई मास्ट को रोडवेज बस स्टैंड में लगवाएंगे, विधायक मद से ठीक होगी उखड़ी छत, टूटे फर्श, टॉयलेट, दीवार पर होगी तारबंदी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने शुक्रवार को उदयपुर रोडवेज बस स्टैंड का निरीक्षण किया और वहां यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रोडवेज डिपो मैनेजर हेमंत शर्मा को निर्देश दिए कि बस स्टैंड पर आवश्यक सुविधाओं की सूची बनाकर प्रस्ताव तैयार कर उन्हें भेजें, ताकि विधायक कोटे से इन सुविधाओं के विकास के लिए बजट स्वीकृत किया जा सके। निरीक्षण के दौरान विधायक जैन ने बस स्टैंड की उखड़ी हुई छत, टूटे हुए फर्श, टूटी टॉयलेट व्यवस्था और यात्रियों के बैठने के लिए अपर्याप्त कुर्सियों की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने डिपो मैनेजर को निर्देश दिए कि छत की शीघ्र मरम्मत करवाई जाए तथा अन्य सभी अव्यवस्थाओं के निराकरण के लिए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। विधायक ने यह भी देखा कि नगर निगम द्वारा पूर्व में बनाई गई दीवार के बावजूद लोग उसे फांदकर परिसर में प्रवेश कर रहे हैं। इस पर उन्होंने दीवार पर कंटीले तार लगाने का भी सुझाव दिया और इसके लिए प्रस्ताव भेजने को कहा। गर्मी के मौसम को देखते हुए विधायक ने यात्रियों के लिए वाटर कूलर लगाने और पूरे बस स्टैंड परिसर में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जब डिपो मैनेजर हेमंत शर्मा ने रोडवेज परिसर में हाईमास्ट लाइटों की कमी का मुद्दा उठाया, तो विधायक जैन ने आश्वस्त किया कि चूंकि एलिवेटेड रोड उदियापोल से होकर निकलेगी, इसलिए वहां की वर्तमान हाईमास्ट लाइटों को रोडवेज परिसर में स्थानांतरित किया जाएगा और उदियापोल क्षेत्र में नई और बड़ी हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जाएंगी। विधायक जैन ने कहा कि "यात्रियों की सुविधा सर्वोपरि है। रोडवेज बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थलों पर हर आवश्यक सुविधा होनी चाहिए, और उसके लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे।"

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार का उदयपुर आगमन, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 मई। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार का आज उदयपुर आगमन हुआ। उनके आगमन पर संगठन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में चित्तौड़ प्रांत के सह मंत्री सुंदरलाल कटारिया, कोषाध्यक्ष सुखलाल लोहार, बजरंग दल विभाग संयोजक ललित लोहार, विहिप उदयपुर महानगर अध्यक्ष सुशील मूंदड़ा, सह मंत्री आकाश सोनी और सुशील जांगिड़ सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। आलोक कुमार चित्तौड़ प्रांत में विहिप, बजरंग दल, मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी के विभिन्न वर्गों की बैठकों में भाग लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।

चतुर्भुज हनुमान व्यायामशाला में इंट्राम्यूरल कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित, छात्रों ने दिखाया दमखम, विजेताओं को किया सम्मानित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री चतुर्भुज हनुमान राष्ट्रीय व्यायामशाला में विश्व कुश्ती दिवस के उपलक्ष्य में इंट्राम्यूरल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने अपने कुश्ती कौशल और शारीरिक क्षमता का जोरदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ हनुमान जी की प्रतिमा की पूजा अर्चना और स्व. उस्ताद ओ.पी. सेन को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों में चौकसी ग्रुप के सीएसआर हेड डॉ. प्रवीण यादव, राजस्थान विद्यापीठ के खेल निदेशक डॉ. दिलीप सिंह चौहान, पूर्व सुन्दर सिंह भंडारी मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद सिद्धार्थ शर्मा, जिला कबड्डी संघ सचिव मुकेश जैन, एवं व्यायामशाला संचालक कृष सेन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता सचिव हेमंत अठवाल ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने का मंच देती हैं। व्यायामशाला व्यवस्थापक हरीश यादव ने अतिथियों का स्वागत किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन पहलवान केसु लाल द्वारा किया गया। पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवानों में लोकेश कुमावत, राकेश सिसोदिया, पंकज ओड, मनीष नटवंश, अंकित ओड, वैभव अठवाल, सुजल मोदी, विशाल सोलंकी और मानव मोदी शामिल रहे, जबकि महिला वर्ग में पलक सोनी, नंदिनी जोशी, माही ओड, हिमांशी अठवाल, गुंजन परमार, माधवी चौहान और भव्या चौहान ने अपने-अपने वजन वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान व्यायामशाला के वरिष्ठ पहलवान किशोर मल्होत्रा, दीपक मोदी, दिलीप कल्याणा, दीपक वसीटा और विकी पटून भी उपस्थित रहे।

सिटी पैलेस में तीन दिवसीय जनजाति कला प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ, लोक संस्कृति और कलाकारों को मिला मंच

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 मई। लोक संस्कृति और जनजाति कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) और महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सिटी पैलेस परिसर में तीन दिवसीय जनजाति कला प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन का उद्घाटन संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी, टीएडी आयुक्त शक्तिसिंह राठौड़ तथा उदयपुर राजपरिवार के सदस्य लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने किया। प्रदर्शनी में टीआरआई के बनफूल आर्ट स्टूडियो के कलाकारों समेत अन्य जनजाति कलाकारों की विभिन्न कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजाति क्षेत्र की समृद्ध कला और संस्कृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्यरत है। जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी के निर्देशन में यह विभाग जनजाति कला को संबल देने में जुटा है। संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने कहा कि आदिवासी कला, खासकर मांडना जैसी लोक कला अद्भुत है, जिसे संरक्षण देना और कलाकारों को प्रोत्साहित करना अत्यंत आवश्यक है। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने बताया कि मेवाड़ क्षेत्र में कला का संरक्षण सदियों से चलता आ रहा है और यह प्रदर्शनी इस विरासत को आगे बढ़ाने का माध्यम है। टीआरआई निदेशक ओपी जैन ने बताया कि प्रदर्शनी में मांडना चित्रकला, पक्षियों के पंखों पर चित्रकारी, काष्ठ कला समेत अन्य शिल्पकलाओं को शामिल किया गया है। प्रदर्शनी में पर्यटक न केवल कलाकृतियां देख सकते हैं, बल्कि उन्हें खरीद भी सकते हैं, जिसका पूरा लाभ सीधे कलाकारों को मिलेगा। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में देसी-विदेशी पर्यटक पहुंचे और जनजाति कला को देखकर प्रभावित हुए। उन्होंने चित्रों और शिल्पों का गहराई से अवलोकन किया और कई ने हाथों-हाथ कलाकृतियां भी खरीदीं। आदिवासी जीवन और लोकसंस्कृति के चित्रों ने पर्यटकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, टीआरआई, महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के अधिकारी, कलाकार एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया हिरण मगरी थाने का वार्षिक निरीक्षण

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट,उदयपुर। जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और पुलिस सेवाओं की गुणवत्ता जांचने के मकसद से जिला कलेक्टर नमित मेहता ने गुरुवार को शहर के हिरण मगरी पुलिस थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने के अभिलेख, सुरक्षा इंतजाम, शिकायत निवारण व्यवस्था और परिसर की साफ-सफाई का बारीकी से जायजा लिया। थानाधिकारी भरत योगी ने कलेक्टर को वार्षिक रिपोर्ट पेश की, जिसमें थाना क्षेत्र में दर्ज मामलों की संख्या, निस्तारण की दर, जनता के प्रति पुलिस की जिम्मेदारियां और कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने थाने के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए नियमित संवाद और संवेदनशीलता जरूरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस को ऐसी कार्यप्रणाली अपनानी चाहिए जिससे आम नागरिकों को न्याय और सुरक्षा की भावना मजबूत हो। थाना परिसर पहुंचते ही पुलिस जवानों ने जिला कलेक्टर को गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया।

भीलवाड़ा के ऐतिहासिक जैन मंदिर से डेढ़ करोड़ की चोरीः CCTV में कैद हुई वारदात, जांच में जुटी पुलिस

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में जहाजपुर स्थित प्रसिद्ध स्वस्ति धाम दिगंबर जैन मंदिर से गुरुवार रात एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। मंदिर में विराजमान श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान की प्रतिमा के पीछे लगा सुनहरा आभामंडल, करीब 1.3 किलो सोना और 3 किलो चांदी के साथ अष्टधातु का कछुआ चोरी हो गया। इस चोरी की अनुमानित कुल कीमत 1.33 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। घटना का खुलासा शुक्रवार सुबह हुआ, जब श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने देखा कि प्रतिमा के पीछे का आभामंडल गायब है। संदेह के आधार पर मंदिर का CCTV फुटेज खंगाला गया, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति साफ तौर पर प्रतिमा के आसपास घूमता और फिर आभामंडल उठाकर भागता नजर आया। चुन्नी की मदद से खिड़की से भागा चोर फुटेज में नजर आ रहा चोर सफेद शर्ट और नीली पैंट पहने हुए है। उसने प्रतिमा के पीछे लगे आभामंडल को निकाला और चुन्नी से खिड़की के रास्ते नीचे उतरकर फरार हो गया। यह घटना गुरुवार रात 12 से 1 बजे के बीच की बताई जा रही है। चोरी की सूचना पर एडिशनल एसपी राजेश आर्य, जहाजपुर थाना अधिकारी और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मंदिर कमेटी से विस्तृत जानकारी ली। स्वस्ति धाम जैन मंदिर कमेटी ने इस संबंध में थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

क्या-क्या चोरी हुआ?

सोने का आभामंडल – 1 किलो 300 ग्राम (कीमतः 1.3 करोड़)
चांदी – 3 किलो (कीमतः 3 लाख)
अष्टधातु का कछुआ और अन्य धार्मिक यंत्र प्रतिमा का रहस्य और श्रद्धा
इस मंदिर की प्रतिमा को लेकर मान्यता है कि यह 2013 में महावीर जयंती के अवसर पर एक मुस्लिम परिवार के घर से मिली थी। प्रशासन की मदद से इसे मंदिर लाया गया। प्रतिमा इतनी भारी है कि 50 लोगों ने मिलकर भी इसे नहीं हिला सके। यह अब मंदिर के तहखाने में स्थायी रूप से विराजित है और इसे 'श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान' के रूप में पूजा जाता है।

जांच के लिए विशेष टीम गठित

पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान की कोशिश शुरू कर दी है और तकनीकी टीमों को भी लगाया गया है। स्थानीय प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी है और चोर की तलाश जारी है। इस घटना के बाद जैन समाज में भारी आक्रोश है। लोगों ने मंदिरों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं और रात्री सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। समाज के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेने और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmai.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।